निदेशक का कार्यालय
प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध संस्थान, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना

पत्रांक— परी० एवं शो० सं०:— 04/2017— दिनांकः—

प्रेषक,

निदेशक,
प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध संस्थान,
पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

सेवा में,

अधीक्षण अभियंता, कार्य अंचल, मुजफ्फरपुर/मुंगेर,
राष्ट्रीय उच्च पथ कार्य अंचल, पटना
कार्यपालक अभियंता, कार्य प्रमंडल, शिवहर/पूर्णियां/बारसोई/
पिपरा/हिलसा/शेरघाटी/अरवल/धौरैया,
राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, अररिया
पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

कम्प्यूटरीकृत आवक पंजीयन संख्या 17803 11/9/17

विषयः— **प्रमंडल स्तर पर गुण नियंत्रण प्रयोगशाला की क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के संबंध में।**

प्रसंगः—
1. प्रशि० परी० एवं शो० सं० का पत्रांक— 472 दिनांक— 22.06.2017
2. विभागीय पत्रांक— 2882 (एस०) दिनांक— 27.03.2017
3. विभागीय पत्रांक— 2828 (एस०) दिनांक— 27.03.2017
4. प्रशि० परी० एवं शो० सं० का पत्रांक— 216 दिनांक— 03.03.2017
5. प्रशि० परी० एवं शो० सं० का पत्रांक— 214 दिनांक— 03.03.2017

महाशय,

अंचल/प्रमंडल के अधीन स्थापित गुण नियंत्रण इकाई के द्वारा प्रमंडल में चल रहे कार्यों के गुणवत्ता जाँच Specification for Raod and Bridge Works, MoRTH के विशिष्टियों के अनुरूप आवश्यक Frequency and Interval में करना है। अधीक्षण अभियंता को भी अपने प्रमंडल में चल रहे कार्यों के निरीक्षण के क्रम में सामाग्रियो/स्थल नमूनों को संग्रहित कर गुणवत्ता जाँच क्षेत्रीय प्रयोगशाला में करना है। ताकि हर हाल में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनी रहे। परन्तु आपके अंचलों/प्रमंडलों से प्राप्त प्रतिवेदन से ज्ञात होता है कि प्रयोगशाला भवन की अनुपलब्धता/मरम्मती, गुण नियंत्रण कर्मियों की कमी, मशीन एवं उपकरणों के क्रय/मरम्मती तथा आवश्यक जाँच सामग्रियों की कमी के कारण प्रयोगशाला अक्रियाशील है।

विदित हो कि सप्ताहिक समीक्षात्मक बैठक में प्रधान सचिव के द्वारा कार्यों की गुणवत्ता को बनाये रखने हेतु हर हालत में प्रमंडलाधीन/क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं को Working Mode में रखने हेतु लगातार निदेश प्राप्त हो रहा है। इस संबंध में निम्नांकित सुझाव दिया जाता हैः—

1. अगर अंचल/प्रमंडल में गुण नियंत्रण कर्मियों की कमी है तो वहाँ पदस्थापित कनीय अभियंता/सहायक अभियंता को गुण नियंत्रण का प्रभारी बनाया जा सकता है एवं सबंधित कनीय अभियंता भी सहायक अभियंता की देख-रेख में गुण नियंत्रण कार्यों को संपादित कर सकते हैं। आवश्यकता हो तो उन्हें परीक्षण एवं शोध संस्थान में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाय।
2. प्रमंडल स्तर पर कनीय अभियंता/सहायक अभियंता की कमी होने की स्थिति में अंचल में पदस्थापित एवं किसी भी प्रमंडल में उपलब्ध गुण नियंत्रण कर्मी, कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता का रोस्टर तैयार कर उनसे गुण नियंत्रण कार्यों का सम्पादन कराया जा सकता है।
3. गुण नियंत्रण प्रयोगशाला हेतु आवश्यक मशीन/उपकरण का क्रय निमानुसार किया जा सकता है एवं प्रयोगशाला भवनों की अनुपलब्धता/मरम्मती के संबंध में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाय।

1584 12/9/17

अतः निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाये रखने हेतु हर हाल में गुण नियंत्रण प्रयोगशाला को क्रियाशील बनाये रखने के लिए कृत कार्रवाई की सूचना निदेशक प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध संस्थान को अविलम्ब देने की कृपा की जाय।

विश्वासभाजन

ह०/—
निदेशक,
प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध संस्थान,
पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना

ज्ञापांकः— परी० एवं शो० सं०—04/2017— पटना, दिनांकः—

प्रतिलिपिः— मुख्य अभियंता (या०), उत्तर बिहार उपभाग/मुख्य अभियंता (या०), दक्षिण बिहार उपभाग एवं मुख्य अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ प्रेषित।

12.9.17

IT Manager 13/09/17

ह०/—
निदेशक,
प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध संस्थान,
पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना

कृ०पृ०उ०

ज्ञापांकः– परी० एवं शो० सं०–04/2017– 483 पटना, दिनांकः– 11.09.2017

प्रतिलिपिः– अधीक्षण अभियंता (अनुश्रवण), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।

11/9/17

निदेशक,
प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध संस्थान,
पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना

08.09.2017

Arvind/Deepak/Chandra k./547